तथ्यात्मक रिपोर्ट

तीन दिवसीय फिक्स डे सर्विस दिनांक (18.01.2018 से 20.01.2018)

राजकीय बी.डी.एम. चिकित्सालय कोटपूतली में तीन दिवसीय फिक्स डे सर्विस दिनांक (18.01.2018 से 20.01.2018) का आयोजन किया गया उस संदर्भ में तथ्यात्मक रिपोर्ट निम्नलिखित है।

1. उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प.क. के आदेश क्रमांक शिविर/प0क0/2018/186 दिनांक 15.01.18 की अनुपालना में एवं खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कोटपूतली के पत्रांक सा0/2018/42 दिनांक 15.01.2018 के अनुसार प्रमुख चिकित्सा अधिकारी बी.डी.एम. चिकित्सालय कोटपूतली के पत्रांक 103 दिनांक 16.01.2018 के तहत 05 सर्जन टीम का गठन किया गया है, जिसमें 04 टीम एल.एस. (महिला नसबन्दी) व एन.एस.वी. (पुरूष नसबन्दी) हेतु एक टीम का गठन किया गया। प्रत्येक टीम में दो सर्जन, एक एन्सेथेटिक, व वांछित नर्सिंग स्टाफ तथा पैरा मेडिकल स्टॉफ की ड्यूटी लगाई गई थी। उपरोक्त शिविर हेतु ऑपरेशन थिएटर में संपूर्ण व्यवस्था (Proper Sterlisation) की गई तथा 06 ऑपरेशन टेबल एल.एस. (महिला नसबन्दी), 08 ऑपरेटिंग लेप्रोस्कोप एवं अन्य जरूरत के सामान की व्यवस्था की गई। एन.एस.वी. (पुरूष नसबन्दी) ऑपरेशन हेतु अलग से टीम का गठन करके 02 ऑपरेशन टेबल की व्यवस्था की गई थी।
2. ऑपरेशन के पश्चात महिलाओं को लिटाने हेतु ऑपरेशन थिएटर के नजदीक ही (पांच फुट गैलरी के वार्ड) वार्ड समस्त सुविधाओ से युक्त पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड तैयार किया गया। मरीजो की देखभाल हेतु दो चिकित्सको की पोस्ट ऑपरेटिव टीम खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कोटपूतली द्वारा लगा रखी थी।
3. नसबन्दी पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में मरीजो की सुविधा को मध्यनजर रखते हुए वार्ड से चारपाईयों को हटाकर संपूर्ण वार्ड में दरीयां बिछवाकर प्रत्येक मरीज हेतु अलग–अलग गद्दा लगाकर उस पर सफेद चद्दर लगवाई गई एवं प्रत्येक मरीज को ओढने के लिए अलग–अलग रजाई की व्यवस्था की गई थी।
4. अखबार में प्रकाशित फोटो में सभी महिलाओ में अलग–अलग रजाई ओढे हुए है एवं एक फोटो जिसमें दो महिलाओं का एक रजाई ओढे हुए बताया गया है। उस फोटो को ध्यान से देखने पर अलग–अलग रंग की दो रजाईया है। दो रजाईया जो फोटो में प्रदर्शित है मरीजो के पास स्पष्ट दिखाई दे रही है।
5. ऑपरेशन थिएटर से पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में शिफ्ट करने हेतु पूर्ण व्यवस्था की गई थी एवं पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड ऑपरेशन थिएटर से सटा हुआ था।
6. नसबन्दी ऑपरेशन के बाद जब मरीज की हालत सामान्य हो गई तथा पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में चिकित्सको द्वारा अनुमोदन करने के बाद मरीजो को आवश्यक दवाईयो का किट व उनका उपयोग समझाकर उनके परिजनो को सुपूर्द कर दिया गया था।
7. इस दौरान तीनो दिवसो में किसी भी प्रकार की मरीज व परिजनो द्वारा किसी प्रकार की शिकायत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त नही हुई है।

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
राजकीय बी.डी.एम. चिकित्सालय
कोटपूतली, जयपुर।